कानपुर, सोमवार, 22 जून, 2026
वर्ष: 03, अंक: 152, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड 658 करोड़ रुपए की विकास सौगात...>Pg09

46 करोड़ का ओवरब्रिज चार साल में बीमार...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

एनकाउंटर पर संकट में घिरी बिहार पुलिस

एनकाउंटर पर देश की सर्वोच्च अदालत में जनहित याचिका दाखिल, अधिवक्ता विशाल तिवारी ने सीबीआई से स्वतंत्र जांच, दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर और रिटायर्ड जज की निगरानी में जांच समिति गठित करने की मांग उठाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। बिहार के भोजपुर जिले के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर प्रकरण ने अब राष्ट्रीय स्तर पर नया मोड़ ले लिया है। भरत भूषण तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दाखिल याचिका में इस मुठभेड़ को कथित तौर पर फर्जी बताते हुए सीबीआई से जांच कराने तथा घटना में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति की मौत पुलिस कार्रवाई में होती है तो उसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा कानून के शासन के लिए आवश्यक है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपी जाए और इसकी निगरानी सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति करे।

यह मामला पहले से ही बिहार की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। भरत भूषण तिवारी की मौत के बाद विपक्षी दलों, सामाजिक संगठनों और परिजनों ने मुठभेड़ की परिस्थितियों पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर, राज्य सरकार ने मामले की न्यायिक जांच कराने की घोषणा की है तथा संबंधित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित भी किया जा चुका है। भरत तिवारी के परिजनों ने शुरू से ही सीबीआई जांच की मांग की है। परिवार का आरोप है कि घटना की सच्चाई सामने लाने के लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। हाल ही में बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात कर न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था।

मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। जहां कुछ नेताओं ने एनकाउंटर को उचित कार्रवाई बताया है, वहीं विपक्ष और मानवाधिकार संगठनों ने इसकी वैधता पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। इस विवाद ने बिहार सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है और अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की आगामी सुनवाई पर टिकी हैं। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि सर्वोच्च अदालत का रुख न केवल इस मामले की दिशा तय करेगा, बल्कि भविष्य में पुलिस मुठभेड़ों की जांच संबंधी मानकों और जवाबदेही को लेकर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। फिलहाल यह प्रकरण न्यायिक, प्रशासनिक और राजनीतिक तीनों स्तरों पर बहस का केंद्र बना हुआ है।

याचिका में प्रमुख मांगें

- सीबीआई से स्वतंत्र जांच
- एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों पर एफआईआर
- सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच
- रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति का गठन

सरकार ने अब तक क्या किया?

- न्यायिक जांच के आदेश
- चार पुलिसकर्मी निलंबित
- प्रशासनिक स्तर पर रिपोर्ट तलब

परिवार की प्रमुख मांग

- निष्पक्ष सीबीआई जांच
- दोषियों पर सख्त कार्रवाई
- पूरे घटनाक्रम की पारदर्शी पड़ताल

क्यों महत्वपूर्ण है मामला?

- पुलिस मुठभेड़ों की वैधता पर बहस
- मानवाधिकार और कानून के शासन का प्रश्न
- सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों की कसौटी पर जांच

जरीब चौकी आरओबी निर्माण की राह साफ

कानपुर को जाम से मिलेगी बड़ी राहत

सांसद रमेश अवस्थी के प्रयासों से जुलाई में काम शुरू होने जा रहा है, टेंडर फाइनल हो चुका है

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर की सबसे बड़ी यातायात समस्याओं में शामिल जरीब चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले लंबे जाम से अब जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। बहुप्रतीक्षित जरीब चौकी रेल ओवरब्रिज (आरओबी) परियोजना के निर्माण की राह पूरी तरह साफ हो गई है और आगामी 15 जुलाई 2026 से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है।

कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी के लगातार प्रयासों के बाद परियोजना में वर्षों से आ रही सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड के उप परियोजना प्रबंधक एस.के. सुमन द्वारा भेजी गई जानकारी के अनुसार, कानपुर अनवरगंज-रावतपुर रेल मार्ग पर प्रस्तावित 4 लेन आरओबी, जीटी रोड पर 4 लेन फ्लाईओवर तथा घंटाघर रोड पर 2 लेन फ्लाईओवर के निर्माण में ट्रंक सीवर लाइन बाधक बनी हुई थी।अब उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा सीवर लाइन को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ई-निविदा की तकनीकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और वित्तीय निविदा भी जल्द खोली जाएगी। इसके बाद सीवर लाइन शिफ्टिंग का कार्य प्रारंभ होते ही आरओबी निर्माण का रास्ता पूरी तरह खुल जाएगा।सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि जरीब चौकी आरओबी परियोजना कानपुर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण से रेलवे फाटक पर घंटों लगने वाले जाम की समस्या समाप्त होगी और जीटी रोड, घंटाघर, जरीब चौकी तथा आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुगम होगी। इससे प्रतिदिन हजारों वाहन चालकों और राहगीरों को राहत मिलेगी।उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा जनहित की सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जा रहा है।

कानपुर की जाम समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम

जरीब चौकी आरओबी को शहर की सबसे महत्वपूर्ण यातायात परियोजनाओं में माना जा रहा है।

इसके निर्माण से न केवल यातायात दबाव कम होगा, बल्कि औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों तक आवागमन भी तेज और सुगम होगा।

लंबे समय से इस परियोजना का इंतजार कर रहे कानपुरवासियों को अब इसके जल्द धरातल पर उतरने की उम्मीद बंध गई है।

सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन ने उत्साहपूर्वक मनाया अंतराष्ट्रीय योग दिवस

योग शिविर में अधिवक्ताओं ने लिया स्वस्थ जीवन और नियमित योग का संकल्प

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा फूलबाग स्थित राम चरण भरतिया योग साधना केंद्र, नाना राव पार्क में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 5:30 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग शिविर का संचालन योगाचार्य विजय कुमार शर्मा एवं डॉ. खुशबू सिंह ने किया।

उन्होंने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी। योगाचार्यों ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से तनाव दूर होता है, मानसिक शांति प्राप्त होती है तथा शरीर स्वस्थ एवं ऊर्जावान बना रहता है।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य विरासत है, जो आज पूरे विश्व में स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का माध्यम बन चुकी है। आधुनिक भागदौड़ भरे जीवन में योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है।शिविर के समापन पर सभी सदस्यों ने नियमित रूप से योग करने तथा स्वस्थ, सकारात्मक और अनुशासित जीवन शैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, ऊर्जा और स्वास्थ्य चेतना से परिपूर्ण रहा।

योग और खेलों के संग नेत्र विशेषज्ञों ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कानपुर ऑप्थेलमिक सोसाइटी द्वारा रविवार को गैजेस क्लब में योग एवं इंडोर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल भावना का संदेश दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. शरद बाजपेई के नेतृत्व में सामूहिक योगाभ्यास से हुआ। योग सत्र में उपस्थित चिकित्सकों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम कर नियमित योग के महत्व को समझा। इसके बाद आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।टेबल टेनिस पुरुष वर्ग में डॉ. के.के. श्रीवास्तव विजेता रहे, जबकि महिला वर्ग में डॉ. शालिनी मोहन एवं सान्वी ने जीत हासिल की। बैडमिंटन युगल प्रतियोगिता में डॉ. मनीष त्रिवेदी और डॉ. पारुल की जोड़ी प्रथम स्थान पर रही। बाल युगल वर्ग में देवेश एवं पलाक्ष तथा बाल एकल वर्ग में सात्विक ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। शतरंज प्रतियोगिता में डॉ. मनीष महेन्द्रा और डॉ. अतुल संयुक्त विजेता घोषित किए गए।सोसाइटी की अध्यक्षा डॉ. संगीता शुक्ला, सचिव डॉ. आकांक्षा सिन्हा, क्रीड़ा सचिव डॉ. लोकेश अरोरा तथा सह क्रीड़ा सचिव डॉ. प्रवीण के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। आयोजन में डॉ. मलय चतुर्वेदी, डॉ. कुणाल सहाय, डॉ. रुचिका, डॉ. मनीष सक्सेना, डॉ. नेहा सक्सेना, डॉ. पल्लवी धवन सहित बड़ी संख्या में नेत्र रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है तथा व्यस्त जीवनशैली में नियमित योग और खेलकूद को अपनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

योग शिविर में स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

» कामद गिरी सेवा संस्थान एवं प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में सैकड़ों लोगों ने किया योगाभ्यास।

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर, 21 जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कामद गिरी सेवा संस्थान एवं प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल, कानपुर दक्षिण इकाई के संयुक्त तत्वावधान में दबौली पार्क स्थित दुर्गा मंदिर के पास विशाल योग शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

योग गुरु पंडित विनोद मिश्रा ने शिविर में उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया।

उन्होंने बताया कि यह योग शिविर पिछले 15 वर्षों से निरंतर कानपुर दक्षिण के लोगों को स्वस्थ एवं जागरूक बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। मुख्य अतिथि ने कहा कि योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है तथा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन योग और पैदल चलने की आदत अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के आयोजक एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शैलेंद्र मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि योग प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की अपेक्षा अधिक रही। शिविर में नीलम, सुमन, खुशबू, शशि, पलक, पूनम, मीनू, रीना, रेखा, संजू, गीता, शोभा, लता सहित सैकड़ों महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

46 करोड़ का ओवरब्रिज चार साल में बीमार

घाटमपुर पुल में दरारें, 10 दिन के लिए यातायात बंद

स्लैब क्षतिग्रस्त, बीम और छत में दरारें, सरिया आने से बढ़ी चिंता, तकनीकी जांच के बाद ही खुलेगा पुल

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर के मुख्य चौराहे पर जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए लगभग चार वर्ष पूर्व 46 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ओवरब्रिज में गंभीर तकनीकी खामियां सामने आने के बाद प्रशासन ने इसे एहतियातन अगले 10 दिनों के लिए बंद कर दिया है। पुल के स्लैब के क्षतिग्रस्त होने, बीम और छत में दरारें पड़ने तथा कई स्थानों पर प्लास्टर झड़कर सरिया दिखाई देने से स्थानीय लोगों और वाहन चालकों में चिंता का माहौल है। प्रशासन ने फिलहाल सभी वाहनों का आवागमन सर्विस लेन से संचालित करने का निर्णय लिया है।

कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित यह ओवरब्रिज क्षेत्र की महत्वपूर्ण यातायात परियोजनाओं में शामिल रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बीते कुछ वर्षों में इस मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ा है और कई बार क्षमता से अधिक भार वाले ट्रक भी यहां से गुजरते रहे हैं।

रविवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने मौके पर पहुंचकर पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामने आई खामियों को गंभीर मानते हुए सुरक्षा के मद्देनजर पुल पर वाहनों की आवाजाही तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत तकनीकी परीक्षण और आवश्यक मरम्मत पूरी होने तक ओवरब्रिज बंद रहेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस पुल को दशकों तक सुरक्षित और सुगम यातायात के लिए बनाया गया था, उसमें महज चार वर्ष के भीतर दरारें और स्लैब टूटने जैसी समस्याएं सामने आना निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। कई स्थानों पर कंक्रीट उखड़ने से लोहे की सरिया खुल गई है, जो संरचनात्मक मजबूती को लेकर चिंताएं बढ़ा रही है।

क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि किसी भारी वाहन में तकनीकी खराबी आने के बाद पुल पर जैक लगाने से संरचना को नुकसान पहुंचा हो सकता है। हालांकि संबंधित विभागों ने अभी तक इस दावे की पुष्टि नहीं की है। प्रशासन का कहना है कि तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद ही नुकसान के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

ओवरब्रिज बंद होने के बाद अब पूरा यातायात सर्विस लेन पर निर्भर है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों को आशंका है कि पहले से संकरी सर्विस लेन पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम की समस्या और गंभीर हो सकती है। विशेषकर सुबह और शाम के व्यस्त समय में लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। विपक्ष ने निर्माण गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा है। हालांकि भ्रष्टाचार या अनियमितता के आरोपों की अभी तक किसी आधिकारिक जांच में पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने स्वतंत्र तकनीकी जांच, निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय करने तथा उच्च गुणवत्ता के साथ मरम्मत कार्य कराने की मांग की है।

चार साल में दरारें क्यों चिंता का विषय?

सामान्य परिस्थितियों में किसी ओवरब्रिज की संरचना कई दशकों तक सुरक्षित रहने के लिए डिजाइन की जाती है। ऐसे में महज चार वर्ष के भीतर स्लैब टूटना और बीम में दरारें आना निर्माण गुणवत्ता, डिजाइन या रखरखाव व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जाम और व्यापार पर असर

ओवरब्रिज बंद होने से पूरा ट्रैफिक सर्विस लेन पर आ गया है। इससे न केवल जाम बढ़ने की आशंका है, बल्कि बाजार क्षेत्र के व्यापार, आपूर्ति व्यवस्था और दैनिक आवागमन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

तकनीकी जांच से क्या होगा स्पष्ट?

विशेषज्ञ जांच से यह पता लगाया जाएगा कि नुकसान का कारण निर्माण में कमी, अधिक भार वाले वाहनों का दबाव, रखरखाव की लापरवाही या कोई अन्य तकनीकी वजह है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई और जिम्मेदारी तय की जाएगी।

फुटपाथों पर अतिक्रमण से राहगीर सड़क पर चलने को मजबूर

- कोतवाली क्षेत्र के फुटपाथों पर अवैध कब्जे बढ़े
- पैदल यात्रियों को सड़क पर चलना पड़ रहा है
- दुर्घटनाओं और जाम का खतरा बढ़ा
- ठेले, खोखे और अस्थायी दुकानें बनीं बाधा
- नगर निगम और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल
- अभियान के बाद फिर लौट आता है अतिक्रमण
- नागरिकों ने नियमित और सख्त कार्रवाई की मांग की

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शहर के व्यस्त कोतवाली क्षेत्र में फुटपाथों पर बढ़ते अतिक्रमण ने आम नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पैदल यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए बनाए गए फुटपाथ अब अस्थायी दुकानों, ठेलों और अन्य अवैध कब्जों से घिर गए हैं। परिणामस्वरूप लोगों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अतिक्रमण की समस्या बनी हुई है। समय-समय पर नगर निगम और पुलिस द्वारा अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता कुछ दिनों तक ही सीमित रहती है। कार्रवाई के बाद दोबारा फुटपाथों पर कब्जे होने लगते हैं और स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है।

लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। यदि नगर निगम और पुलिस संयुक्त रूप से नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई करें, तो फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सकता है। इससे पैदल यात्रियों को सुरक्षित मार्ग मिलने के साथ-साथ जाम की समस्या में भी कमी आएगी।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस और स्थायी कार्रवाई की आवश्यकता है। आम नागरिकों के लिए बनाए गए फुटपाथों को उनके वास्तविक उद्देश्य के अनुरूप उपयोग में लाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ऐसे में लोगों की निगाहें अब नगर निगम और पुलिस प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

ट्रेन में चढ़ते समय महिला यात्री का जेवर भरा बैग चोरी

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे प्रशासन के दावों के बीच कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से एक महिला यात्री का बैग चोरी होने का मामला सामने आया है। जनरल कोच में सफर कर रही महिला का आरोप है कि चोर उनके बैग से सोने के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। पीड़िता ने रेलवे पुलिस को शिकायत देकर चोरी किए गए सामान की बरामदगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उन्नाव जनपद के गंगाघाट थाना क्षेत्र स्थित चम्पा का पुरवा गांव निवासी मंजू वर्मा ने रेलवे पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह कानपुर सेंट्रल से फतेहपुर जाने के लिए ट्रेन संख्या 22442 के जनरल कोच में सवार होने गई थीं। प्लेटफार्म नंबर 3 पर जैसे ही गाड़ी में बैठने जा रही थी उसी समय अनजान यात्रियों ने बताया कि आपके बैग से उस लड़की ने सामान निकाल लिया है, यह सुन चोर लड़की भागने लगी और फरार हो गई। पीड़िता के अनुसार बैग में लगभग 10 से 10.5 ग्राम सोने की चेन, करीब 11 हजार रुपये नकद तथा अन्य आवश्यक सामान रखा था। चोरी का पता चलते ही उन्होंने तत्काल रेलवे पुलिस को सूचना दी। जीआरपी ने शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से कुछ फोटो वीडियो पीड़ित को दिखाया पीड़ित परिवार ने बताया कि पुलिस जांच में चोर की पीड़ित महिला यात्री मंजू वर्मा ने पहचान कर पुष्टि किया है।

अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी का आरोपी गिरफ्तार, कोर्ट ने किया रिहा

प्रमुख संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित अभद्र और भ्रामक टिप्पणी करने के मामले में कानपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत ने रिहा कर दिया। साथ ही जमानती धाराओं में गिरफ्तारी किए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं।

मामले में अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव ने 11 जून को कानपुर के साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया पर कुछ आईडी के माध्यम से अदिति यादव के खिलाफ आपत्तिजनक और भ्रामक पोस्ट प्रसारित किए गए हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान मध्य प्रदेश के रीवा जनपद के पनवार थाना क्षेत्र स्थित ग्राम पुरवा कल्याणपुर निवासी नागेश्वर सिंह बघेल की पहचान हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर अदिति यादव की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से पोस्ट साझा किए थे। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर कानपुर लाया गया।

- कानपुर साइबर थाने में दर्ज एफआईआर के बाद मध्य प्रदेश से हुई गिरफ्तारी, जमानती धाराओं में गिरफ्तारी पर कोर्ट ने जताई आपत्ति

रविवार को आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायालय ने यह कहते हुए रिमांड खारिज कर दी कि मुकदमे में लगी धाराएं जमानती हैं और इनमें अधिकतम सजा सात वर्ष से कम है। अदालत ने आरोपी को रिहा करने के साथ ही ऐसे मामले में गिरफ्तारी की प्रक्रिया अपनाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों की जांच के निर्देश दिए। डीसीपी क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि मामले में बीएनएस की धारा 79, धारा 336(4) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-ई के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

बाइक जलाने के मामले में मुकदमा दर्ज, कई आरोपी अब भी फरार, एक पुलिसकर्मी की भूमिका पर भी उठे सवाल

पीड़ित परिवार ने थाने के सिपाही अनिल कुमार पर लगाया संरक्षण देने का आरोप, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से बढ़ी दहशत

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सीसामऊ थाना क्षेत्र के जेके कॉटन मिल इलाके में बाइक और स्कूटी में आग लगाने के चर्चित मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन घटना के कई दिन बाद भी नामजद कई आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।पीड़ित विनोद कुमार का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले दबंगों ने पहले उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद देर रात घर के बाहर खड़ी बाइक और स्कूटी को आग के हवाले कर दिया गया। आगजनी में दोनों वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गए। पीड़ित का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो पूरा परिवार बड़ी दुर्घटना का शिकार हो सकता था।मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि घटना गंभीर प्रकृति की है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होनी चाहिए, ताकि इलाके में कानून का भय कायम रहे।इसी बीच मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। पीड़ित पक्ष और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि थाना क्षेत्र में तैनात एक पुलिसकर्मी अनिल कुमार की भूमिका भी संदिग्ध प्रतीत हो रही है। आरोप है कि संबंधित पुलिसकर्मी पैसों के लेन-देन के जरिए मामलों को प्रभावित करने का काम करता है और इस

स्वराज इंडिया | कानपुर आसपास | 07
सीसामऊ में गुंडों की दबंगई से दहशत में परिवार
गुंडों ने बाइक फूंकी, पूरे परिवार को जिंदा जलाने की कोशिश का आरोप

मामले में भी उसकी भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हालांकि इन आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पीड़ित परिवार ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा संबंधित पुलिसकर्मी की भूमिका की भी जांच कराए जाने की मांग की है।

उनका कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, परिवार खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।वहीं पुलिस

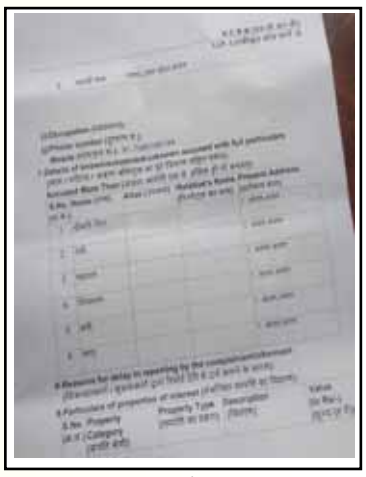

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दावा है कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फेस उड़ने पर घंटों कटी रही बिजली लापरवाह लाइनमैन ने बनाया बहाना

» डीवीवीएनएल की साख को बट्टा लगा रहा एक लाइनमैन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। टिकरा बिजलीघर में कार्यरत लाइनमैन विवेक पाल बेहद लापरवाह रवैये को लेकर इन दिनों क्षेत्रीय जनता के निशाने पर है।

मामला बीते दिन का है, जब टिकरा क्षेत्र के आनंदपुरम मोहल्ले में एक फेस उड़ जाने के कारण तमाम घरों की बत्ती गुल

लाइनमैन विवेक पाल

हो गई। भीषण गर्मी के बीच कई घंटों तक बिजली न आने से परेशान उपभोक्ताओं ने जब लाइनमैन विवेक पाल को फोन मिलाया, तो उसने समस्या का समाधान करने के बजाय जवाब देते हुए कहा, अब रात काफी हो चुकी है, आप सबके घरों की बिजली कल आएगी।

स्थानीय सूत्रों और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, लाइनमैन विवेक पाल की शिकायतें नई नहीं हैं।

क्षेत्र की जनता उस पर ड्यूटी के दौरान नशेबाजी करने, काम के बदले अवैध वसूली करने और मोटी रकम लेकर चोरी-छिपे बिजली (कटिया) बाँटने के गंभीर आरोप लगाती रही है। लाइनमैन के इस अड़ियल और संवेदनहीन रवैये से आनंदपुरम मोहल्ले के दर्जनों परिवारों का धैर्य जवाब दे गया। आक्रोशित लोगों ने आधी रात को ही टिकरा बिजलीघर पहुंच कर आक्रोश व्यक्त किया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिजलीघर में मौजूद दूसरे लाइनमैन अकुल पांडे ने तत्काल फॉल्ट को सुधारा और क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल की। तब जाकर आधी रात के बाद दर्जनों परिवारों को चैन की नींद नसीब हो सकी। इस संबंध में बिजली घर टिकरा में तैनात जेई विवेक सोनकर ने कहा कि लाइनमैन के ऊपर लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और आरोप सिद्ध होने पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी

रात में बिजली सुधारते से लाइनमैन अकुल पांडे

महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे सपाई, साइकिल रिक्शा यात्रा निकाल राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के बढ़ते दामों के विरोध में रविवार को महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने साइकिल एवं रिक्शा यात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। समाजवादी नेता मनोज कुमार शुक्ला के नेतृत्व में निकली यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, किसानों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

हरजिंदर नगर चौराहे से शुरू हुई यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए सरल नर्सिंग होम पहुंची, जहां राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने साइकिल और रिक्शा का उपयोग कर बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।इस अवसर पर मनोज कुमार शुक्ला ने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल, दाल और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दामों में वृद्धि के कारण गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण करने में विफल रही है।

ज्ञापन के माध्यम से पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम कम करने, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण लगाने, किसानों को राहत देने तथा कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. नीतेंद्र यादव, राष्ट्रीय सचिव अपरना जैन, गोपाल तिवारी, सत्यम त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम के समापन पर मनोज कुमार शुक्ला ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और आम जनता की आवाज लगातार उठाई जाती रहेगी।

सम्पादकीय

गाड़ियों से ज़्यादा लोगों को मिले तरजीह

जब सुप्रीम कोर्ट यह कहता है कि सुरक्षित और तयशुदा फुटपाथ पर चलना आम व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, तो इसके खास मायने हैं। अदालत उस हकीकत की ओर नीति-नियंताओं का ध्यान दिलाती है, जिसे अब तक भारतीय शहरों के नियोजन में नजरअंदाज किया गया। निश्चित रूप से सड़कों पर पहला हक लोगों का है, बाद में गाड़ियों का। सही मायने में कोर्ट ने पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को जीवन, आजादी और कहीं भी आने-जाने की गारंटी से जोड़कर सार्थक पहल की है। अदालत ने इस तरह नागरिक जीवन की एक बुनियादी जरूरत को सार्वजनिक जवाबदेही का मुद्दा बना दिया है। यह एक हकीकत है कि देश के करोड़ों भारतीयों के लिये पैदल चलना रोजमर्रा की जरूरत है, न कि जीवनशैली का विकल्प। इनमें तमाम स्कूल जाने वाले बच्चे, बाजार जाने वाले बुजुर्ग, कम दूरी तक आने-जाने वाले कामगार और दिव्यांग लोग शामिल हैं, जिनके लिये सुरक्षित पैदल यात्रा जीवन की एक सुविधा है। यह विडंबना ही है कि अक्सर रेहड़ी-खोमचे वाले, गलत तरीके से सड़कों में खड़ी गाड़ियां और निर्माण कार्य से जुड़ा मलबा पैदल यात्रियों के रास्ते पर अतिक्रमण कर देता है। यही वजह है कि पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों पर चलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिससे अकसर उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा है कि गाड़ी चलाने वाले पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सही मायने में यह टिप्पणी वाहन केंद्रित शहरी नियोजन की सोच पर सीधे प्रहार करती है।यह विडंबना ही है कि शहरी सड़क परियोजनाओं में ट्रैफिक के प्रवाह को प्राथमिकता दी गई है। वहीं फुटपाथ को गैर जरूरी माना गया है। इसकी ही वजह से अकसर होने वाले सड़क हादसों का शिकार पैदल यात्रियों को होना पड़ता है। इसी दोषपूर्ण नीति के चलते ही लगातार पैदल चलने की जगह सिमटती रही है और सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती रही है। सड़क परिवहन मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि सड़क हादसों में इस साल 36,526 पैदल यात्रियों की मौत हुई है। मरने वालों का यह आंकड़ा सड़क दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या का 20.26 प्रतिशत है। यही वजह है कि कोर्ट को पैदल चलने वाले लोगों के अधिकार की सुरक्षा के लिये एक कानूनी ढांचा बनाने पर जोर देना पड़ा है। वास्तव में पैदल यात्रियों की रक्षा के लिये कानून तो पहले से ही हैं, मगर ये बिखरे हुए हैं। यदि एक व्यापक कानून बनता है तो फुटपाथ के डिजाइन, यात्रियों की पहुंच, फुटपाथों के रखरखाव और जवाबदेही के लिये मानकों का निर्धारण संभव हो सकेगा। इस संकट के समाधान के लिये नगर निकायों को अतिक्रमण-रोधी नियमों को सख्ती से लागू करना सुनिश्चित करना चाहिए। वास्तव में तभी कोई शहर सचमुच आधुनिक बनता है, जब वह ज्यादा कारों को जगह देने के बजाय हर आम नागरिक को सुरक्षित और सम्मान के साथ चलने की सुविधा प्रदान करता है।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने रास्ता दिखा दिया है।

अब सरकारों का काम उस पर चलना है।

शेखी बघारते पाक को बिसार आगे बढ़ने का समय

निरंजन शुक्ला

आजादी के साथ ही भारत-पाक संबंधों पर विभाजन की विभीषिका का साया रहा। युद्ध भी हुए। रिश्ते तनावपूर्ण हैं। हालिया दो फिल्मों में इसका अलग-अलग समाधान पेश किया है। तो भी विशाल लोकतंत्र भारत को चिंता करनी ज़रूरी नहीं कि ट्रंप के पसंदीदा फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर हैं व उसने पश्चिम एशिया संकट के समझौते में भूमिका निभाई।छह माह के अंतराल में, 'धुरंधर' और 'मैं वापस आऊंगा' हमारी सिनेमा स्क्रीन पर छा गईं।

इन दोनों फ़िल्मों के विषयवस्तु में ज़मीन-आसमान का फ़र्क होने के बावजूद, एक सवाल लगातार मन में कौंधता है कि आम उत्तर भारतीय के मानस में पाकिस्तान को लेकर इतना गहरा जुनून क्यों बना हुआ है?भारत के जाने-माने मनोवैज्ञानिक आशीष नंदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा जाए, न कि लेखनी को, पाकिस्तान को एक आदर्श 'जिगरी दुश्मन' कहा जा सकता है। 1947 में जन्म होते ही अलग हुए इन दो देशों के बीच हुआ बंटवारा इतना हिंसक और क्रूर था कि स्वाभाविक तौर पर बाद की हरेक चीज़ पर इसका साया बना रहा। दोनों मुल्कों के लिए, एक-दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करने के केवल दो ही रास्ते हो सकते थे- आपसी माफ़ी या फिर डटकर दुश्मनी। अब जबकि भारत अपने अस्तित्व के 80वें साल में प्रवेश कर रहा, हमारे यहां अलग-अलग समय पर इन दोनों दृष्टिकोणों पर विचार किया जाता रहा है। इम्तियाज़ अली अपनी फ़िल्म 'मैं वापस आऊंगा' के ज़रिए पहले रास्ता चुनकर मंथन करने की कोशिश करते दिखाई दिए हैं, जबकि आदित्य धर ने अपनी दोनों 'धुरंधर' फ़िल्मों में यह काम दूसरे विकल्प के जरिये किया। दोनों ही अपने-अपने उद्देश्य में कुछ हद तक सफल रहे हैं, लेकिन पूरी तरह फिर भी नहीं।पिछले कई दशकों तक स्थिति कमोबेश ठीक-ठाक रही जब भारत ने पाकिस्तान के साथ युद्ध, छद्म युद्ध और टकराव जीते-चाहे मैदान पर हों या मैदान के बाहर। यूं, हर बार भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ी; आतंकवादी हमलों में आम नागरिकों और सैनिकों की जान गई, खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती राज्यों में।इसीलिए पाकिस्तान को हराने से, जिसमें क्रिकेट भी शामिल है, जो राष्ट्रीय राहत या सुकून मिलता है, वह अनमोल है।हम जानते हैं कि भारत पुनः उभरेगा। हम एक विशाल राष्ट्र हैं, हमारा जीडीपी बेहतर है, हमारे पास आईटी कंपनियां हैं और निश्चित रूप से, बॉलीवुड भी। इस्लामिक गणराज्य के विपरीत, हम सुचारू लोकतंत्र हैं, भले उसमें कुछ कमियां हैं, और निश्चित रूप से फ़हमीदा रियाज़ के दावे के मुताबिक 'एक-दूसरे जैसे' नहीं। 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उन्होंने कहा था, 'तुम तो बिल्कुल हम जैसे निकले, भाई' ।संभव है इस मोड़ पर आशीष नंदी प्रतीक रूप में सवाल उठाएं कि हम इस बात की परवाह क्यों करते हैं कि हम एक-दूसरे जैसे हैं या नहीं। या यह बात इतनी अहम क्यों है कि पाक सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर, डोनाल्ड ट्रंप के 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' हैं; या अमेरिका-ईरान समझौते को 'इस्लामाबाद संधि' कहा जाए (ईरानी ऐसा कह रहे हैं, अमेरिकी नहीं);या फिर इस पर कि अमेरिका-ईरान संकट में पाकिस्तान को आधिकारिक तौर पर 'मध्यस्थ' बताया जाए।पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया संकट का इस्तेमाल विदेशों में अपना प्रभाव बढ़ाने में बहुत बढ़िया ढंग से किया।

उसने चीन, सऊदी अरब और ईरान से अपनी दोस्ती का चतुराई से इस्तेमाल करते हुए एक वैश्विक समझौता सिरे चढ़वा दिया-भले ही समझौते को आखिरी मुकाम तक पहुंचाने में जोर लगाने के लिए बीते कुछ हफ़्तों में कतर की मदद लेनी पड़ी। पाकिस्तान ने नतीजे पाने के लिए अपने तमाम संबंधों का इस्तेमाल किया,उसने वॉशिंगटन डीसी में ईरान का प्रतिनिधित्व किया, जो वह 1979 की क्रांति के बाद से करता रहा है, और इस नाते का भरपूर फ़ायदा उठाया। उसने चीन के साथ अपने 'आश्रित राष्ट्र' वाले दर्जे का इस्तेमाल करते हुए, रूस समेत हर जगह बातचीत की राह आसान करवाई। उसने सऊदी अरब, जो अमेरिका का अहम सहयोगी है और जिसके साथ पाक का 'फौलादी भाईचारा'है।

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

स्वस्थ जीवन का आधार

क्षमा शर्मा

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ÷चित्तवृत्ति निरोध÷ कहा है। अर्थात् मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है।आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके।

ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़

मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ÷चित्तवृत्ति निरोध÷ कहा है। अर्थात् मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण।

जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है।

रजिस्ट्री निजीकरण के विरोध में अधिवक्ताओं का आंदोलन तेज, 15 दिन बाद कलमबंद हड़ताल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। रजिस्ट्री कार्यालयों के प्रस्तावित निजीकरण और विकेंद्रीकरण के विरोध में अधिवक्ताओं का आंदोलन अब और तेज हो गया है। पिछले 15 दिनों से न्यायिक कार्य से विरत चल रहे अधिवक्ताओं ने आज सोमवार को एक दिन की कलमबंद हड़ताल कर सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध जताया। हड़ताल के चलते तहसील परिसर में कई जरूरी कार्य प्रभावित रहे और फरियादियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

तीनों अधिवक्ता संगठनों के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में एकत्र होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम बिल्हौर मनीष कुमार को

- तहसील का कामकाज प्रभावित, वादकारियों को हुई परेशानी
- नारेबाजी कर एसडीएम को सौंपा राज्यपाल संबोधित ज्ञापन

सौंपा। अधिवक्ताओं का कहना है कि रजिस्ट्री व्यवस्था के निजीकरण से प्रक्रिया की पारदर्शिता और गोपनीयता प्रभावित होगी। साथ ही अधिवक्ताओं, स्टांप विक्रेताओं, लेखपत्र लेखकों और टंककों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा।

अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने प्रस्तावित व्यवस्था वापस नहीं ली तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल अधिवक्ताओं की नहीं, बल्कि आम जनता के हितों से भी जुड़ी हुई है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान बिल्हौर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश कटियार, महामंत्री सौरभ कटियार, द लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जनार्दन यादव, महामंत्री कुशल पांडे, महेंद्र सिंह कुशवाहा, अमित श्रीवास्तव, अतुल शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

कार-बाइक की भिड़ंत में युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर कार और बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सक उसे बचा नहीं सके।

- शंकरा आई हॉस्पिटल के सामने सर्विस रोड पर हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, तातियागंज के निकट शंकरा आई हॉस्पिटल के सामने सर्विस रोड पर तेज रफ्तार कार और बाइक की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची हाईवे एंबुलेंस घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गौशाला गांव निवासी 28 वर्षीय गौतम कश्यप पुत्र राजेंद्र कश्यप के रूप में हुई। पुलिस ने मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों के आधार पर उसकी शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। चौबेपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल कार को भी जब्त कर लिया गया है। थानाध्यक्ष दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों की तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही हादसे के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ, जयघोष से गूंजा बिल्हौर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। श्री बांके बिहारी सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का शुभारंभ रविवार शाम 6 बजे को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। नगर के जूनियर स्कूल परिसर से निकली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर कथा स्थल पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कथा आयोजन का शुभारंभ किया गया।

सुबह से ही श्रद्धालुओं का जुटना शुरू हो गया था। महिलाओं और युवतियों ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में हिस्सा लिया। यात्रा के दौरान पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे।

शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, शिव-पार्वती और राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर के

विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। 'जय श्रीराम', 'हर-हर महादेव' और 'जय बजरंगबली' के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान रहा।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 22 से 28 जून तक प्रतिदिन अपराह्न तीन बजे से जूनियर स्कूल परिसर में श्रीराम कथा का आयोजन होगा। कथा का वाचन प्रयागराज स्थित शक्तिपीठ चक्र सुदर्शन पुरी से पधारे पूज्य श्री श्री 1008 श्रीमद् जगद्गुरु महाराज करेंगे। आयोजन का समापन 29 जून को वैदिक हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे के साथ होगा। समिति के अनुसार समापन समारोह में क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रीराम कथा को लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है।

पत्रकारिता को मिले संवैधानिक संरक्षण, कानपुर जर्नलिस्ट क्लब ने राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री से की मांग

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। पत्रकारिता को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में संवैधानिक एवं संस्थागत मान्यता दिलाने तथा पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर कानपुर जर्नलिस्ट क्लब ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को सामूहिक पत्र भेज कर माँग की है।जर्नलिस्ट क्लब के महामंत्री अभय त्रिपाठी की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आधारशिला है, लेकिन वर्तमान समय में पत्रकारों पर हमले, धमकी, उत्पीड़न और झूठे मुकदमों जैसी घटनाएं चिंताजनक हैं। ऐसे में पत्रकारों की स्वतंत्रता और सुरक्षा के लिए ठोस संवैधानिक एवं विधिक व्यवस्था की आवश्यकता है।पत्र में उल्लेख किया गया है कि विश्व के अनेक देशों में स्वतंत्र पत्रकारिता को विशेष संवैधानिक और संस्थागत संरक्षण प्राप्त है। बदलते समय और लोकतंत्र के समक्ष उभरती चुनौतियों को देखते हुए भारत में भी पत्रकारिता को और अधिक सशक्त एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में पहल किए जाने की आवश्यकता है।कानपुर जर्नलिस्ट क्लब ने अपने ज्ञापन में पांच प्रमुख मांगें उठाई हैं। इनमें प्रेस एवं पत्रकारिता की स्वतंत्रता को स्पष्ट संवैधानिक संरक्षण प्रदान करने, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका को संस्थागत मान्यता देने, पत्रकारों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा अधिनियम बनाने, मीडिया की स्वतंत्रता और जवाबदेही के लिए संवैधानिक दर्जा प्राप्त राष्ट्रीय मीडिया आयोग के गठन तथा पत्रकारों के लिए सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा, प्रशिक्षण और आधुनिक संसाधनों के विकास हेतु राष्ट्रीय नीति बनाए जाने की मांग शामिल है।महामंत्री अभय त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की चेतना और जनहित का प्रहरी है। एक मजबूत, स्वतंत्र और उत्तरदायी पत्रकारिता संविधान की मूल भावना को सशक्त करने का कार्य करती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश का शीर्ष नेतृत्व इस विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए पत्रकारों की सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए प्रभावी पहल करेगा।

करोगे योग, रहोगे निरोग के संदेश के साथ कानपुर सेंट्रल पर मनाया योग दिवस

» उप मुख्य यातायात प्रबंधक ने योग गुरु को पुस्तक एवं शॉल भेंट कर किया सम्मानित

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार सुबह कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्लेटफॉर्म नंबर-1 स्थित हॉल में आयोजित कार्यक्रम में रेलवे अधिकारियों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

योग गुरु के निर्देशन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि नियमित योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव को दूर कर व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक, कानपुर सेंट्रल ने योग गुरु को पुस्तक एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा योग के प्रति उनके योगदान की सराहना की। अधिकारियों ने करोगे योग, रहोगे निरोग के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।इस अवसर पर रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं आरपीएफ के जवान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' थीम के साथ 37वीं वाहिनी पीएसी में मनाया योग दिवस

» सेनानायक बीबी चौरसिया ने योग को बताया स्वस्थ और अनुशासित जीवन का आधार

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। 37वीं वाहिनी पीएसी परिसर में सेनानायक बीबी चौरसिया के निर्देशन में 12वाँ विश्व योग दिवस उत्साह, ऊर्जा और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' को केंद्र में रखकर विशेष योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ योगाचार्य पीटीआई ऋषि यादव के मार्गदर्शन में प्रार्थना एवं वार्म-अप अभ्यासों से हुआ। इसके बाद ताड़ासन, वृक्षासन, भद्रासन सहित विभिन्न योगासन तथा अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया, जो बढ़ती उम्र में शारीरिक संतुलन, मानसिक शांति और अस्थियों की मजबूती के लिए लाभकारी माने जाते हैं। अपने संबोधन में सेनानायक बीबी चौरसिया ने कहा कि योग केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि जीवन जीने की अनुशासित कला है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ सैनिक और स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखते हैं।कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने मानसिक शांति एवं विश्व कल्याण का संकल्प लिया। सेनानायक ने योगाचार्य ऋषि यादव को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। अधिकारियों और जवानों के लिए स्वास्थ्यवर्धक हर्बल पेय की भी व्यवस्था की गई। इस अवसर पर शिविरपाल चंद्रेश्वर, आरटीसी प्रभारी मनोज कुमार श्रीवास्तव, सूबेदार सैन्य सहायक रवेंद्र सिंह चौधरी, हेड क्लर्क विनीत त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी पीसी रामेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विजयीपुर गांव में बदला गया ट्रांसफॉर्मर, बहाल हुई बिजली आपूर्ति

विद्युत आपूर्ति बहाल होने के बाद रोशन हुए घर, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

स्वराज इंडिया
तीन दिन से फूंका ट्रांसफार्मर अंधेरे में डूबा विजईपुर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लगाया गया दूसरा ट्रांसफार्मर

कानपुर देहात। सिंगरसीपुर विद्युत उपकेंद्र से जुड़े विजयीपुर गांव में तीन दिनों से फुंका पड़ा 25 केवीए ट्रांसफॉर्मर आखिरकार बदल दिया गया। नया ट्रांसफॉर्मर लगने के साथ ही गांव की बिजली आपूर्ति बहाल हो गई, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।गौरतलब है कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने के कारण पिछले तीन दिनों से पूरा गांव अंधेरे में डूबा हुआ था। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों को पेयजल संकट सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद होने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही थी।ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों को कई बार सूचना देने के बावजूद समस्या के समाधान में देरी का आरोप लगाया था। मामले को स्वराज इंडिया में प्रमुखता से उठाए जाने के बाद विद्युत विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव में नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी। बिजली आने के बाद गांव के लोगों ने खुशी जताई और उम्मीद व्यक्त की कि भविष्य में ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए विभाग और अधिक संवेदनशीलता के साथ काम करेगा। जेई अजय कुमार ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर बदलने के बाद आपूर्ति सामान्य कर दी गई है और लाइन की निगरानी की जा रही है।

हलचल खबर का असर

निजी खातों में पहुंची विकास निधि? डीएम से शिकायत

हरिहरपुर ग्राम प्रधान पर लाखों के हेरफेर का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर ब्लॉक क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में ग्राम प्रधान पर सरकारी धन के दुरुपयोग और विकास कार्यों के भुगतान में अनियमितता के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान रानी वीरमती ने अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के दौरान राज्य वित्त, मनरेगा और पंचम वित्त आयोग की मदों से कराए गए विकास कार्यों के भुगतान नियमों के विपरीत निजी खातों में कराए हैं। गांव निवासी सुशील कुमार, मंगल सिंह, अशोक कुमार, धनीराम और देवेंद्र सहित अन्य ग्रामीणों ने शनिवार को सिकंदरा तहसील समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि इस संबंध में 16 मई को भी शिकायत की जा चुकी है।

ग्रामीणों के अनुसार, पूर्व में की गई शिकायत के आधार पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने ग्राम प्रधान के अलावा ग्राम पंचायत में तैनात रहे सचिव अंकित, विपिन, चंद्रजीत और छत्रपाल सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके बावजूद अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पिछले पांच वर्षों में ग्राम पंचायत की कोई खुली बैठक आयोजित नहीं की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मनरेगा समेत विभिन्न योजनाओं के तहत कराए गए कार्यों का भुगतान नियम विरुद्ध निजी खातों में स्थानांतरित किया गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान के पुत्र अनुपम कुमार ने एक सचिव को शराब पिलाकर नशे की हालत में डोंगल का उपयोग करते हुए बड़ी धनराशि हस्तांतरित कर ली। इसके अलावा ग्राम प्रधान के तीनों पुत्रों और अन्य परिजनों के नाम पर जॉब कार्ड बनाकर सरकारी धन के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत पूर्व में खंड विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, मनरेगा विभाग और मुख्य विकास अधिकारी से भी की थी, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कपिल सिंह से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में राजपुर के खंड विकास अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्रकरण की जांच जिला स्तर पर प्रस्तावित है। शिकायतों के आधार पर जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करा दी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

सीडीओ साहब! करोड़ों की स्वच्छता योजना क्यों पड़ी बेकार

सफेद हाथी बने आरआरसी सेंटर, कई निर्माण कार्यों का भुगतान भी अटका

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने और कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर बनाए गए रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) योजना का लाभ क्षेत्र में धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है। लाखों रुपये की लागत से निर्मित ये केंद्र अधिकांश ग्राम पंचायतों में शोपीस बनकर रह गए हैं।

रसूलाबाद विकासखंड की कपराहट, लालगांव, अमरोहिया, मनावा सहित दो दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों में पंचायत स्तर पर कूड़े के संग्रहण और निस्तारण के लिए आरआरसी सेंटर बनाए गए थे। हालांकि निर्माण के बाद इन केंद्रों का अपेक्षित उपयोग नहीं हो सका। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां नियमित रूप से न तो कूड़ा एकत्र किया जा रहा है और न ही उसके पृथक्करण एवं निस्तारण की कोई प्रभावी व्यवस्था की गई है।

देखरेख के अभाव में कई आरआरसी सेंटर बदहाल स्थिति में पहुंच गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि केंद्र परिसर में अराजक तत्वों का जमावड़ा होने लगा है, जिससे अनैतिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस उद्देश्य से सरकारी धन खर्च कर आरआरसी सेंटर बनाए गए थे, वह अब तक पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। वहीं, कई केंद्रों के निर्माण का भुगतान हो चुका है, जबकि कुछ निर्माण कार्यों का भुगतान अब भी लंबित बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आरआरसी सेंटरों को शीघ्र संचालित कर नियमित कूड़ा संग्रहण, पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी धन का सदुपयोग हो सके और गांवों में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत हो।

इस संबंध में प्रभारी एडीओ पंचायत जितेंद्र सिंह ने बताया कि शासन स्तर से आरआरसी सेंटरों के संचालन को लेकर अभी कोई नई गाइडलाइन प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि धन स्वीकृत होने और नई गाइडलाइन जारी होने के बाद केंद्रों को संचालित कराया जाएगा।

अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत दो घायल

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। पुखरायां क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए। पहली घटना में कुरारा थाना क्षेत्र के हरौली गांव निवासी रामू अपनी पत्नी आरती (28) को बाइक से लेकर भोगनीपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चपरघटा के निकट एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में आरती गंभीर रूप से घायल हो गईं। राहगीरों ने उन्हें तत्काल सीएचसी पहुंचाया। वहीं दूसरी घटना में भोगनीपुर क्षेत्र के पुरैनी गांव निवासी अमन (25) पुखरायां से अपने गांव लौट रहे थे। भोगनीपुर के पास उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी में डॉ. राजवीर सिंह ने दोनों की स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सीएमओ के निरीक्षण में पीएचसी पर लटका मिला ताला

» समय से पहले डॉक्टर और स्टाफ नदारद, कारण बताओ नोटिस जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में रविवार को हुए औचक निरीक्षण में स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही उजागर हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने दोपहर 3:45 बजे पीएचसी का निरीक्षण किया, जहां आरोग्य मेला कक्ष पर ताला लटका मिला। इसे लेकर उन्होंने नाराजगी जताई।निरीक्षण का उद्देश्य आरोग्य मेले के दौरान मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था। इसी दौरान सट्टी थाना पुलिस एक आरोपी का मेडिकल कराने के लिए डॉक्टर का इंतजार करती मिली, लेकिन चिकित्सकों की अनुपस्थिति के कारण मेडिकल नहीं हो सका।स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिस को अक्सर मेडिकल परीक्षण के लिए राजपुर से करीब 10 किलोमीटर दूर सिकंदरा सीएचसी जाना पड़ता है, जिससे दुर्घटना में घायल मरीजों के इलाज में देरी का खतरा बना रहता है।

सीएमओ को पीएचसी परिसर में गंदगी भी मिली। प्रसव कक्ष में स्टाफ नर्स अलका सचान, निवेदिता कटियार और अभिरुचि मौजूद मिलीं। निरीक्षण की सूचना मिलने पर डॉ. मनोज सर्राफ भी पीएचसी पहुंच गए। सीएमओ ने उनसे आरोग्य मेले में मरीजों को दिए गए उपचार, वितरित दवाओं और टीकाकरण से संबंधित जानकारी मांगी, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें फटकार लगाई। इसके बाद सीएमओ ने दवा वितरण कक्ष, जांच कक्ष और पंजीकरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। टीकाकरण कक्ष में भी ताला लटका मिला। जानकारी करने पर पता चला कि टीकाकरण ड्यूटी पर तैनात एएनएम कमलेश कुमारी समय से पहले ही ड्यूटी छोड़कर घर चली गई थीं।

आरोग्य मेले में डॉ. मनोज सर्राफ, आयुष चिकित्सक शिव विनायक त्रिपाठी, आयुष फार्मासिस्ट शंकर सिंह और वार्ड बॉय रामसिंह की ड्यूटी लगाई गई थी। वहीं, इमरजेंसी ड्यूटी में फार्मासिस्ट अरुण कुमार और वार्ड बॉय गोविंद सिंह तैनात थे। सीएमओ के निरीक्षण के 10 मिनट बाद डॉ. मनोज सर्राफ और वार्ड बॉय गोविंद सिंह को छोड़कर अन्य सभी कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर सीएमओ ने स्टाफ नर्स निवेदिता कटियार, अलका सचान, अभिरुचि और वार्ड बॉय राम सिंह को अनुपस्थित चिह्नित किया।सीएमओ ने पीएचसी प्रभारी डॉ. सलिल सचान से फोन पर नाराजगी जताते हुए सभी अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सीएमओ डॉ. जय गोविंद ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए सभी कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

संविलियन विद्यालय डेराकरीमनगर में मनाया गया अंतराष्ट्रीय योग दिवस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजपुर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में संविलियन विद्यालय डेराकरीमनगर में बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर योग के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में सामूहिक योगाभ्यास कराया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सहायक अध्यापक अंशुल गुप्ता ने बताया कि सबसे पहले संविलियन विद्यालय राजपुर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी अशोक सिंह, शिक्षकगण, अभिभावक एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इसके बाद विद्यालय स्तर पर योग दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम है और नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। अजित सिंह, अंशुल गुप्ता, सुरेंद्र कटियार, अनीता देवी, हिमानी गुप्ता, प्रमोद सिंह, आशीष शुक्ला, मोहम्मद आरिफ आदि उपस्थित रहे।

निचली रामगंगा नहर टूटी, धान की पौध बचाने को डीजल फूंक रहे किसान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद(कानपुर देहात)। खरीफ की प्रमुख फसल धान की तैयारी में जुटे किसानों के सामने सिंचाई का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। निचली रामगंगा नहर टूटने और बारिश नहीं होने से धान की पौध तैयार कर रहे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रसूलाबाद तहसील क्षेत्र में निचली रामगंगा नहर की पटरी से जुड़े गांवों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। तेज धूप और उमस के बीच समय पर सिंचाई नहीं होने से पौध के सूखने का खतरा मंडरा रहा है।भवानीपुर निवासी किसान अमित सिंह ने बताया कि धान की पौध को इस समय नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है, लेकिन नहर टूटने और बारिश नहीं होने के कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। लगातार पड़ रही गर्मी और उमस से खेतों की नमी तेजी से खत्म हो रही है। जिन किसानों के पास निजी सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं हैं, उन्हें सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई किसान पौध को बचाने के लिए डीजल पम्पिंग सेट का सहारा ले रहे हैं, जिससे खेती की लागत बढ़ती जा रही है। किसानों की निगाहें अब बारिश पर टिकी हैं। उनका कहना है कि जल्द वर्षा होने से धान की पौध को राहत मिलेगी और फसल की तैयारी सुचारु रूप से आगे बढ़ सकेगी। किसानों ने संबंधित विभाग से निचली रामगंगा नहर की तत्काल मरम्मत कर जलापूर्ति बहाल कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में गहराते सिंचाई संकट से राहत मिल सके।

658 करोड़ रुपए की विकास सौगात

फिरोजाबाद में विकास और जनकल्याण का नया अध्याय शुरू

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 81 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास कर विकास योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाणपत्र, चेक और आवास की चाबियां

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिरोजाबाद जनपद को 658 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। जिले में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार विकास और जनकल्याण को साथ लेकर आगे बढ़ रही है तथा प्रत्येक जिले को आधारभूत सुविधाओं से सशक्त बनाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फिरोजाबाद, जिसे देशभर में कांच उद्योग और चूड़ी नगरी के रूप में पहचान प्राप्त है, अब आधुनिक बुनियादी ढांचे, बेहतर संपर्क मार्गों, शहरी सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से नई विकास यात्रा की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था, निवेश और विकास का बेहतर वातावरण बनने से औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिली है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जिले में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 81 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगरीय विकास तथा अन्य आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को आवास की चाबियां भी सौंपीं। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाणपत्र, चेक तथा अन्य सहायता सामग्री वितरित की गई। उन्होंने कहा कि सरकार का

उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और इसी सोच के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास परियोजनाओं, निवेश और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश भी दिए।

यूपी एसटीएफ के एनकाउंटर में ढेर हुआ बिहार का कुख्यात बदमाश लल्लन सिंह

» सहारनपुर में यूपी एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, दो दरोगा समेत सात हत्याओं का था आरोपी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार देर रात सहारनपुर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के कुख्यात और इनामी अपराधी लल्लन सिंह उर्फ ललन को मुठभेड़ में मार गिराया। लल्लन पर उत्तर प्रदेश और बिहार में हत्या, डकैती, लूट तथा पुलिसकर्मियों पर हमले सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। वह दो दरोगाओं, एक बैंक कैशियर और एक सुरक्षा गार्ड समेत सात लोगों की हत्या के मामलों में वांछित था। उसके ऊपर कुल 1.25 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश के अनुसार, एएसपी लाल प्रताप सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम सरसावा-नकुड़ रोड पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध बदमाश दिखाई दिए। पुलिस द्वारा रुकने का संकेत दिए जाने पर उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में लल्लन सिंह गोली लगने से घायल होकर

गिर पड़ा, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके से एक बाइक, पिस्टल, कारतूस और खोखे बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक लल्लन बिहार के समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के आनंदगोलवा गांव का निवासी था। वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने उस पर एक लाख रुपये और चंदौली पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

वर्ष 2022 में उसने वाराणसी में एक सब-इंस्पेक्टर की हत्या कर सरकारी पिस्टल लूट ली थी,

जबकि चंदौली में एक युवक की हत्या कर बाइक लूटने की वारदात को भी अंजाम दिया था। लल्लन के दो भाई वर्ष 2022 में पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके थे, जबकि वह उस समय फरार होने में सफल रहा था। तीनों भाइयों पर बिहार में पीएनबी बैंक से 60 लाख रुपये की लूट और तीन लोगों की हत्या का भी आरोप था।

बिजनौर में दुष्कर्म पीड़िता ने थाने में खुद को लगाई आग

शादी का झांसा देकर फौजी पर दुष्कर्म का आरोप आरोपी ने कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक ले रखी थी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिजनौर। बिजनौर जिले में एक दुष्कर्म पीड़िता द्वारा थाने परिसर में खुद को आग लगाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। गंभीर रूप से झुलसी युवती को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, युवती ने एक फौजी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। इस मामले में उसने पहले ही आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि आरोपी ने अदालत से गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक (अरेस्टिंग स्टे) ले रखी थी, जिसके चलते उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

बताया गया कि युवती किसी मामले को लेकर थाने पहुंची थी और उसने आरोपी को भी बुलाने की मांग की थी। आरोप है कि जब आरोपी थाने नहीं पहुंचा तो युवती ने आक्रोश में आकर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुंचाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुधवा में गर्मी से बेहाल बाघ, वाटर होल्स बने 'जंगल के राजा' का ठिकाना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पानी में आराम फरमाते बाघों के दृश्य पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना

लखीमपुर खीरी। भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि जंगल के वन्यजीवों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। दुधवा टाइगर रिजर्व में इन दिनों बाघ गर्मी से राहत पाने के लिए वाटर होल्स का सहारा ले रहे हैं। जंगल के राजा घंटों पानी में बैठे रहकर तपिश से बचने की कोशिश कर रहे हैं।दुधवा के विभिन्न क्षेत्रों में बने प्राकृतिक और कृत्रिम जलस्रोत इन दिनों बाघों के पसंदीदा ठिकाने बन गए हैं। पानी में आराम फरमाते बाघों के दृश्य वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। गर्मी बढ़ने के साथ ही बाघों समेत अन्य जंगली जानवरों की गतिविधियां भी जलस्रोतों के आसपास अधिक देखने को मिल रही हैं।वन विभाग के अनुसार, भीषण गर्मी के मौसम में वन्यजीव

पानी की तलाश में अधिक समय जलस्रोतों के पास बिताते हैं। यही वजह है कि जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को बाघों और अन्य वन्यजीवों के दुर्लभ दीदार होने की संभावना भी बढ़ जाती है। दुधवा का प्राकृतिक परिवेश इन दिनों एक अलग ही जीवंतता से भर उठा है, जहां एक ओर गर्मी वन्यजीवों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है, वहीं दूसरी ओर पर्यटकों को जंगल के अनोखे और रोमांचक नजारे देखने का अवसर भी मिल रहा है।

नाबालिग छोटे भाई ने उजाड़ दिया पूरा परिवार

भाई-भाभी और मासूम भतीजे की हत्या

गोरखपुर में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, रात में सोते समय धारदार हथियार से किया हमला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में रविवार देर रात हुए ट्रिपल मर्डर ने पूरे इलाके को दहला दिया। बांसगांव थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि 16 वर्षीय किशोर ने अपने बड़े भाई, भाभी और तीन वर्षीय भतीजे पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार, अमित गुप्ता, उनकी पत्नी रंजना गुप्ता और तीन वर्षीय पुत्र रेयान रविवार रात घर के एक कमरे में सो रहे थे। देर रात करीब तीन बजे आरोपी किशोर ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमला इतना अचानक और घातक था कि तीनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।वारदात की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी

समेत अन्य अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और परिजनों व स्थानीय लोगों से पूछताछ की।प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है।

मृतक के पिता की तहरीर पर बांसगांव थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में ले लिया है और उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार भी बरामद कर लिया गया है।एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी ने बताया कि प्रथम दृष्टया पारिवारिक कलह हत्या की वजह प्रतीत हो रही है। हालांकि घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए आरोपी से पूछताछ की जा रही है और सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस जघन्य वारदात के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

लिस्ट अटकी, कानूनगो बनने का इंतजार कर रहे हजारों लेखपाल

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

» प्रदेश में राजस्व निरीक्षक के करीब 1000 पद रिक्त, पदोन्नति प्रक्रिया पर लगा ब्रेक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लेखपालों की राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) पद पर पदोन्नति का मामला अधर में लटक गया है। प्रदेश में करीब एक हजार रिक्त पदों को भरने के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक होने के बावजूद अब तक चयन सूची जारी नहीं की गई है। इससे पदोन्नति के पात्र हजारों लेखपालों को इंतजार करना पड़ रहा है और प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

प्रदेश में राजस्व निरीक्षक के कुल 4,281 पद स्वीकृत हैं। इनमें 1,147 पद कार्यालय कार्यों के लिए आरक्षित हैं, जबकि 3,154 पद फील्ड कार्यों के लिए निर्धारित हैं।

फील्ड पदों में 1,027 पद अमीन संवर्ग के लिए हैं, जबकि 2,127 पद लेखपालों से पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने हैं। वर्तमान में लगभग 1,000 पद रिक्त पड़े हैं, जिन पर नियुक्ति का रास्ता अब तक साफ नहीं हो सका है।कार्मिक विभाग ने सभी विभागों को 15 सितंबर तक पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत राजस्व परिषद ने जुलाई 2025 में जिलों से आवश्यक सूचनाएं मांगी थीं और 29 अप्रैल 2026 को डीपीसी का आयोजन भी कराया गया। इसके बावजूद चयन सूची जारी नहीं की गई।

बताया जा रहा है कि राजस्व परिषद ने शासन से यह स्पष्ट करने को कहा है कि पदोन्नति प्रक्रिया ऑफलाइन की जाए या ऑनलाइन।

इसी तकनीकी उलझन के कारण पूरी प्रक्रिया अटक गई है।पदोन्नति में देरी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी मुख्य सचिव को पत्र लिखकर रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की है। उन्होंने चयन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राजस्व निरीक्षक के रिक्त पदों पर तत्काल पदोन्नति प्रक्रिया पूरी कराने का आग्रह किया है।उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह का कहना है कि समय पर पदोन्नति होने से कर्मचारियों को सेवा संबंधी लाभ मिलते हैं और विभागीय कार्यों में भी तेजी आती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन राजस्व निरीक्षकों की निगरानी में होता है, इसलिए रिक्त पदों को जल्द भरना आवश्यक है। अब सभी की निगाहें शासन और राजस्व परिषद के अगले फैसले पर टिकी हैं।

लखीमपुर को मिली बड़ी सौगात, कासगंज-लखनऊ नई एक्सप्रेस ट्रेन को मंजूरी

» केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के प्रयास रंग लाए, तराई क्षेत्र के यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जिले सहित पूरे तराई क्षेत्र के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा उठाई जा रही कासगंज से लखनऊ तक सीधी एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मांग आखिरकार पूरी हो गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के विशेष प्रयासों के बाद रेल मंत्रालय ने इस महत्वपूर्ण रेल सेवा को मंजूरी प्रदान कर दी है।

नई एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन से लखीमपुर खीरी, सीतापुर, शाहजहांपुर और आसपास के क्षेत्रों के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। अब तक कासगंज और लखनऊ के बीच यात्रा करने वाले लोगों को ट्रेन बदलने या अन्य वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ता था, जिससे समय और धन

दोनों की अतिरिक्त खपत होती थी।इस नई रेल सेवा से विशेष रूप से छात्रों, नौकरीपेशा युवाओं, व्यापारियों तथा चिकित्सा और प्रशासनिक कार्यों के लिए राजधानी लखनऊ आने-जाने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि इससे न केवल आवागमन आसान होगा बल्कि व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं को बढ़ाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने रेल मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ट्रेन लंबे समय से क्षेत्र की आवश्यकता थी, जिसकी मंजूरी मिलना लाखों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। नई एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन की घोषणा के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लोगों ने इसे तराई क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

6 घंटे चली पंचायत के बाद प्रेमी युगल का विवाह, मंदिर में लिए सात फेरे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रतापगढ़। जिले के दाऊदपुर गांव में प्रेम और सामाजिक सहमति की एक अनोखी मिसाल देखने को मिली। करीब 6 घंटे तक चली पंचायत और पारिवारिक बातचीत के बाद प्रेमी युगल सानिया बानो और अमन गौतम का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से मंदिर में संपन्न कराया गया। विवाह के बाद दोनों परिवारों ने नवदंपती को आशीर्वाद दिया और आपसी मतभेद समाप्त कर एक-दूसरे को गले लगाया।जानकारी के अनुसार दाऊदपुर निवासी सानिया बानो और अमन गौतम के घरों के बीच महज 300 मीटर की दूरी है। दोनों पिछले लगभग 4 वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे और उनके बीच प्रेम संबंध था। अमन अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र है। दोनों ने विवाह करने का निर्णय लिया, लेकिन प्रारंभ में परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं हुए।बताया गया कि सानिया के पिता खुर्शीद खान ने मामले की शिकायत थाने में की थी। मामला पुलिस तक पहुंचने के बाद दोनों पक्षों के बीच पंचायत और समझौते का दौर शुरू हुआ। इस दौरान सानिया ने अमन से ही विवाह करने की अपनी इच्छा स्पष्ट रूप से जताई और अपने निर्णय पर अडिग रही।करीब 6 घंटे तक चली बातचीत और पंचायत के बाद आखिरकार दोनों परिवार विवाह के लिए सहमत हो गए। इसके बाद स्थानीय मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सानिया और अमन ने सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की।विवाह समारोह का सबसे भावुक क्षण तब देखने को मिला जब सानिया के पिता खुर्शीद खान और अमन के पिता नन्हेलाल

गौतम ने एक-दूसरे को गले लगाकर सभी मतभेद भुला दिए। दोनों परिवारों ने नवविवाहित जोड़े को सुखद दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।ग्रामीणों ने भी इस विवाह को सामाजिक सौहार्द और आपसी समझदारी का उदाहरण बताते हुए नवदंपती के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राम मंदिर की दानपेटी से सत्ता के गलियारों तक!

क्या चढ़ावे की जांच अब ट्रस्ट के दरवाजे से निकलकर जमीन, जेवर और जवाबदेही तक पहुंच गई है?

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का प्रतीक है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से यही मंदिर चढ़ावे, दान प्रबंधन और कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर देशव्यापी चर्चा के केंद्र में है। अब मामला केवल दानपेटी तक सीमित नहीं रह गया है। विशेष जांच दल की जांच का दायरा बढ़ते-बढ़ते ट्रस्ट की कार्यप्रणाली, जमीन खरीद, निर्माण सामग्री की खरीद और बहुमूल्य चढ़ावे के प्रबंधन तक पहुंच चुका है।

सूत्रों के अनुसार एसआईटी ने ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों को जांच पूरी होने तक अयोध्या नहीं छोड़ने के निर्देश दिए हैं। पूछताछ, दस्तावेज और बयानों को डिजिटल रूप से सुरक्षित किया जा रहा है तथा जांच की प्रगति से शासन को लगातार अवगत कराया जा रहा है।

➪ एसआईटी की पड़ताल में दान, दस्तावेज, जमीन सौदे और प्रशासनिक ढांचा सब जांच के घेरे में

नृपेंद्र मिश्र के बयान क्यों महत्वपूर्ण हैं?

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के लगातार आ रहे बयान भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। मंदिर निर्माण का प्रमुख चरण लगभग पूरा हो चुका है और अब प्रशासनिक ढांचे को लेकर बहस शुरू हो गई है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने का सुझाव कई राजनीतिक और प्रशासनिक संकेतों को जन्म दे रहा है।

बताया जा रहा है कि जांच के दौरान सोना, चांदी, हीरे और अन्य बहुमूल्य चढ़ावों के रिकॉर्ड को लेकर कई सवाल खड़े हुए हैं। आरोप यह नहीं कि क्या गायब हुआ, बल्कि यह कि क्या सब कुछ व्यवस्थित रूप से दर्ज भी हुआ था? यदि रिकॉर्ड और वास्तविकता में अंतर है तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि आस्था के प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न है।

सूत्रों के मुताबिक एसआईटी अब ट्रस्ट द्वारा विभिन्न चरणों में खरीदी गई जमीनों और निर्माण सामग्री की खरीद प्रक्रिया की भी पड़ताल कर रही है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या सभी खरीद प्रक्रियाएं पूरी पारदर्शिता के साथ हुईं? यदि हुईं तो दस्तावेज स्वयं बोलेंगे, और यदि नहीं हुईं तो जवाबदेही तय करनी होगी।

मामला सिर्फ पैसों का नहीं, विश्वास का है

राम मंदिर किसी निजी संस्था का प्रोजेक्ट नहीं, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी ढूंढना नहीं, बल्कि उस विश्वास को मजबूत करना भी है जो भक्त दानपेटी में पैसा डालते समय व्यक्त करते हैं। ऐसे में राम मंदिर में सवाल ईंट, पत्थर या रुपये के नहीं हैं। सवाल उस भरोसे का है जिसे करोड़ों भक्त अपनी श्रद्धा के साथ दानपेटी में डालते हैं। जांच जितनी निष्पक्ष होगी, आस्था उतनी ही मजबूत होगी।

चढ़ावा कांड: लखनऊ से दिल्ली तक बढ़ा सियासी तापमान, किस पर गिरेगी गाज?

समीर शाही, स्वराज इंडिया न्यूज़

अयोध्याधाम। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण अब केवल जांच का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनता जा रहा है। एसआईटी की प्रारंभिक पड़ताल के बाद लखनऊ से दिल्ली तक मंथन की खबरों के बीच राजनीतिक दल, संत समाज और हिंदू संगठन अपने-अपने सवाल खड़े कर रहे हैं। मामला दानपेटी में आई रकम, सोना-चांदी के आभूषणों और बहुमूल्य चढ़ावों के कथित प्रबंधन से जुड़ा है, इसलिए इसकी संवेदनशीलता और बढ़ गई है।

सूत्रों के अनुसार एसआईटी ने नकदी, जेवरात, अभिलेखों और निगरानी व्यवस्था से जुड़े कई पहलुओं पर जानकारी जुटाई है। इसी बीच विभिन्न पक्षों के बयान भी सामने आने लगे हैं।

क्या बोले नेता और संत?

- यादव ने मांग की है कि यदि चोरी हुई है तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो।
- अजय राय (प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस) ने कहा कि चढ़ावे की जांच रिपोर्ट जनता के सामने लाई जानी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।
- शरद शुक्ला (युवा कांग्रेस) ने थाना रामजन्मभूमि में प्रार्थना पत्र देकर एफआईआर दर्ज करने और निष्पक्ष जांच की मांग की है।
- चेत नारायण सिंह (जिला कांग्रेस अध्यक्ष) ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मामले में स्वतंत्र और विश्वसनीय जांच आवश्यक है।
- सुनील कृष्ण गौतम (महानगर कांग्रेस अध्यक्ष) ने इसे रामभक्तों की भावनाओं से जुड़ा विषय बताते हुए पारदर्शी जांच की मांग की।
- राजेंद्र प्रताप सिंह (पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस) ने कहा कि उच्च स्तरीय जांच से ही आम लोगों की शंकाएं दूर होंगी।
- संतोष दुबे (हिंदू धर्म सेना प्रमुख व पूर्व कारसेवक) ने रामजन्मभूमि थाने में लिखित शिकायत देकर नामजद एफआईआर की मांग की है। उनका दावा है कि चढ़ावे और बहुमूल्य शिलाओं के प्रबंधन पर गंभीर सवाल हैं।
- विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि यदि किसी ने भी गड़बड़ी की है तो उसे कठोरतम दंड मिलना चाहिए और जांच रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक होनी चाहिए।

➪ एसआईटी जांच के बीच विपक्ष, संत समाज और हिंदू संगठनों ने उठाए सवाल, रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग तेज

अब सबकी निगाहें इन सवालों पर

- क्या एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक होगी?
- क्या केवल कर्मचारी या बड़े पदाधिकारी भी जांच के दायरे में आएंगे?
- सोना-चांदी और बहुमूल्य चढ़ावों का पूरा हिसाब सामने आएगा?
- क्या एफआईआर दर्ज होगी?
- क्या जांच का दायरा जमीन खरीद और निर्माण कार्यों तक बढ़ेगा?

923 जिन प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ पंचकल्याणक महोत्सव का भव्य समापन

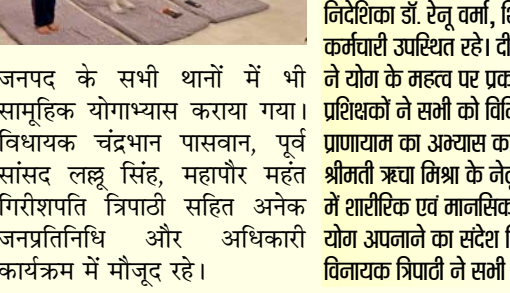

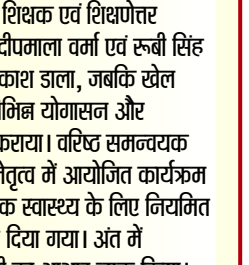

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। दिगंबर जैन मंदिर परिसर में आयोजित पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का रविवार को भव्य समापन हो गया। समापन अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, मंगल विधान और शिखर कलशारोहण संपन्न हुआ। महोत्सव के दौरान 923 जिन प्रतिमाओं की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई, जो इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रही।

जैन मंदिर कमेटी के पीठाधीश्वर स्वामी रविन्द्र कीर्ति ने बताया कि अयोध्या जैन धर्म की अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक तीर्थस्थली है। प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की जन्मभूमि होने के कारण इस नगरी का विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि पूज्य गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता की प्रेरणा से भरत चक्रवर्ती के 923 पुत्रों को समर्पित भव्य जिनमंदिर का निर्माण कराया गया है, जिसमें 923 जिन प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई है।

स्वामी रविन्द्र कीर्ति के अनुसार महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए संतों, विद्वानों और श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए और जैन धर्म की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव अहिंसा, शांति और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

➪ अयोध्या की जैन परंपरा को मिला नया आयाम, देशभर से पहुंचे संत और श्रद्धालु

'स्वस्थ आयु' के संकल्प को साकार करते हुए पूरे विश्व को भारतीय ज्ञान परंपरा 'योग' का संदेश दिया

राम की पैड़ी पर गूंजा योग का संदेश, 4.36 लाख लोगों ने किया सहभाग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रामनगरी अयोध्या ने योग के प्रति अपनी आस्था और जागरूकता का भव्य प्रदर्शन किया। राम की पैड़ी पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लगभग 3000 लोगों ने एक साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर रहे। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखता है। योग सप्ताह के दौरान 15 से 21 जून तक पूरे जनपद में योग को जनआंदोलन का स्वरूप मिला। ग्राम पंचायतों, स्कूलों, कॉलेजों, तहसीलों, पुलिस लाइन, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ सहित विभिन्न संस्थानों में आयोजित कार्यक्रमों में करीब 4 लाख 36 हजार लोगों ने भागीदारी की। पतंजलि योग संस्थान, गायत्री परिवार, ब्रह्माकुमारी, विश्व आयुर्वेद परिषद समेत कई संगठनों ने सक्रिय सहयोग किया।

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या ने 'स्वस्थ आयु' के संकल्प को साकार करते हुए पूरे विश्व को भारतीय ज्ञान परंपरा 'योग' का संदेश दिया है। वहीं एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर की मौजूदगी में पुलिस लाइन और जनपद के सभी थानों में भी सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। विधायक चंद्रभान पासवान, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

भवदीय पब्लिक स्कूल में मनाया योग दिवस

अयोध्या। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भवदीय पब्लिक स्कूल में उत्साहपूर्वक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रही। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के प्रबंधक डॉ. अवधेश वर्मा, निदेशिका डॉ. रेनू वर्मा, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। दीपमाला वर्मा एवं रूबी सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि खेल प्रशिक्षकों ने सभी को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। वरिष्ठ समन्वयक श्रीमती ऋचा मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए नियमित योग अपनाने का संदेश दिया गया। अंत में विनायक त्रिपाठी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्विट्ज़रलैंड में आमने-सामने अमेरिका-ईरान

शांति समझौते पर निर्णायक मंथन

10 सप्ताह बाद शीर्ष नेताओं की सीधी वार्ता, परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों पर फोकस

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को स्विट्ज़रलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में अहम वार्ता शुरू हुई। करीब 10 सप्ताह बाद दोनों देशों के शीर्ष प्रतिनिधि आमने-सामने बैठे हैं। 'लेक ल्यूसर्न समिट' के नाम से आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की ओर से संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

चतुष्पक्षीय वार्ता में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और कतर के वरिष्ठ नेता मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। यह बैठक पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस समझौते में पाकिस्तान ने गारंटर की भूमिका निभाई थी।सूत्रों के अनुसार, 60 दिनों की वार्ता अवधि वाले इस समझौते के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम, उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर समाधान तलाशने की कोशिश की जाएगी। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल

में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और सलाहकार जेरेड कुशनर भी शामिल हैं, जबकि ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची और वरिष्ठ राजनयिक इस्माइल बघाई वार्ता में भाग ले रहे हैं।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर भी बैठक में मौजूद हैं।वार्ता से पहले जेडी वेंस ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने जैसे प्रमुख उद्देश्यों की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब दोनों पक्ष मिलकर मध्य पूर्व में संबंधों का नया अध्याय शुरू कर सकते हैं या क्षेत्र फिर पुराने तनावपूर्ण दौर में लौट जाएगा।वहीं, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को गंभीरता से आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, लेकिन किसी भी स्थायी समाधान के लिए क्षेत्र में जारी संघर्षों का समाप्त होना आवश्यक है।

विश्लेषकों का मानना है कि इजरायल और हिजबुल्ला के बीच हालिया टकराव इस बैठक का सबसे संवेदनशील मुद्दा बन सकता है। माना जा रहा है कि लेबनान की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी व्यापक चर्चा होगी। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी भी बुर्गेनस्टॉक पहुंचे हैं और उन्होंने स्विस अधिकारियों के साथ ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अलग से चर्चा की है।रविवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से अलग-अलग मुलाकात कर वार्ता को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। अब दुनिया की नजरें इस बैठक के नतीजों पर टिकी हैं, जो पश्चिम एशिया की राजनीति और वैश्विक कूटनीति की दिशा तय कर सकती हैं।

गंज शहीदां मस्जिद पर जरदारी की टिप्पणी, एक्स पर शुरू हुई ट्रोलिंग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

वाराणसी। काशी स्टेशन के विस्तारीकरण की जद में आ रही गंज शहीदां मस्जिद को लेकर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की सोशल मीडिया पोस्ट ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। शनिवार को एक्स पर की गई उनकी टिप्पणी के बाद भारतीय यूजर्स ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें जमकर ट्रोल किया। बढ़ते विरोध के बीच फिलहाल उनके पोस्ट का कमेंट सेक्शन बंद दिखाई दे रहा है।

अपने पोस्ट में जरदारी ने दावा किया था कि भारत में ऐतिहासिक मुस्लिम धार्मिक स्थलों, जिनमें वाराणसी की गंज शहीदां मस्जिद भी शामिल है, को हटाने या नुकसान पहुंचाने जैसी कार्रवाइयों से अराजकता फैल सकती है। उन्होंने अल्पसंख्यकों के अधिकारों और साझा सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा की बात कहते हुए ऐसी गतिविधियों को रोकने की अपील की थी।

हालांकि उनकी इस टिप्पणी पर भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स ने तीखा विरोध दर्ज कराया। कई लोगों ने इसे भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बताया, जबकि कुछ ने इसे पाकिस्तान की घरेलू राजनीति से जोड़ते हुए राजनीतिक स्टंट करार दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मीम, व्यंग्यात्मक टिप्पणियां और वीडियो साझा कर यूजर्स ने जरदारी की पोस्ट की आलोचना की।

उधर, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वाराणसी पुलिस की सोशल मीडिया सेल भी पोस्ट और उससे जुड़ी गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी भड़काऊ या भ्रामक सामग्री पर तत्काल निगरानी रखी जाए, ताकि कोई असामाजिक या देशविरोधी तत्व माहौल बिगाड़ने का प्रयास न कर सके। प्रशासन का कहना है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली सूचनाओं और प्रतिक्रियाओं पर सतर्क नजर रखी जा रही है तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले किसी भी प्रयास के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भूकंप का ऐसा असर कि खिसक गया पूरा जापान, 15 साल बाद खुला बड़ा रहस्य

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। भूकंप को आमतौर पर तबाही और विनाश का प्रतीक माना जाता है, लेकिन जापान में 2011 में आए महाविनाशकारी भूकंप ने एक ऐसी घटना को जन्म दिया, जिसने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया। अब लगभग 15 साल बाद हुए नए शोध में खुलासा हुआ है कि उस भूकंप के बाद पूरा जापान कुछ मिलीमीटर पूर्व दिशा की ओर खिसक गया था। वैज्ञानिकों ने अब इस असाधारण घटना के पीछे की वजह का भी पता लगा लिया है।

साल 2011 में जापान में आए 9 तीव्रता के भूकंप और उससे उत्पन्न सुनामी ने करीब 20 हजार लोगों की जान ले ली थी। हालिया अध्ययन के अनुसार, इस आपदा के बाद जापान का भूभाग लगभग 5 से 6 मिलीमीटर पूर्व की ओर खिसक गया था। उस समय यह बदलाव वैज्ञानिकों के लिए एक रहस्य बना हुआ था, क्योंकि भूकंप के मुख्य झटकों के काफी देर बाद भी पूरे देश में एक साथ भूगर्भीय हलचल दर्ज की गई थी।

शिकागो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट नेटवर्क और जापान के विशाल जीपीएस सिस्टम 'जियो नेट' के आंकड़ों का विश्लेषण किया। जापान में 1,200 से अधिक जीपीएस स्टेशन लगे हैं, जिन्होंने भूकंप के लगभग 16 मिनट बाद पूरे देश में एक साथ जमीन के खिसकने की घटना दर्ज की थी। यह सामान्य आफ्टरशॉक जैसी गतिविधि नहीं थी, जिससे वैज्ञानिक लंबे समय तक उलझन में रहे।

➪ 2011 के विनाशकारी भूकंप के बाद पूर्व दिशा में सरका था जापान, वैज्ञानिकों ने खोजी वजह

शोध में सामने आया कि भूकंप के दौरान फॉल्ट लाइन के पास चट्टानों के विशाल खंड अचानक खिसक गए, जिससे अत्यंत शक्तिशाली भूकंपीय तरंगें उत्पन्न हुईं।

ये तरंगें पृथ्वी के भीतर गहराई तक जाकर उसके कोर से टकराईं और फिर वापस सतह की ओर लौटीं। लौटते समय इन तरंगों ने जापान के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाओं को दोबारा सक्रिय कर दिया, जिससे पूरे देश में अतिरिक्त भूगर्भीय हलचल पैदा हुई और जापान पूर्व दिशा में खिसक गया।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज भूकंप विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि पृथ्वी के कोर से लौटने वाली भूकंपीय तरंगें किस तरह दूर-दराज के क्षेत्रों में भी भूगर्भीय गतिविधियों को प्रभावित कर सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह अध्ययन भविष्य में भूकंप-प्रवण क्षेत्रों के जोखिम आकलन और आपदा प्रबंधन रणनीतियों को और अधिक सटीक बनाने में मददगार होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com